



प्रधान मंत्री  
Prime Minister

25th September, 2014

Dear Friends,

I am sure you have heard time and again that cleanliness is next to Godliness. Alas, things are often different when it comes to putting this into practice.

On 2nd October we are launching Swachh Bharat Mission, a massive mass movement, that seeks to create a Clean India. Cleanliness was very close to Mahatma Gandhi's heart. A clean India is the best tribute we can pay to Bapu when we celebrate his 150th birth anniversary in 2019. Mahatma Gandhi devoted his life so that India attains 'Swarajya'. Now the time has come to devote ourselves towards 'Swachchhata' (cleanliness) of our motherland.

I urge every one of you to devote at least hundred hours every year, that is two hours every week towards cleanliness. We can't let India remain unclean any longer. On 2nd October I myself will set out with a broom and contribute towards this pious task.

Today, I appeal to everyone, particularly political and religious leadership, mayors, sarpanchs and captains of industry to plan and wholeheartedly engage in the task of cleaning your homes, work places, villages, cities and surroundings. I request your active support and participation in our collective quest to make a Swachh Bharat.



[Watch PM's call for Swachh Bharat](#)

Read the message in  
[Hindi & other languages](#)

Yours,

**Narendra Modi**



एक कदम स्वच्छता की ओर

## स्वच्छता शपथ

महात्मा गांधी ने जिस भारत का सपना देखा था उसमें सिर्फ राजनैतिक आजादी ही नहीं थी, बल्कि एक स्वच्छ एवं विकसित देश की कल्पना भी थी।

महात्मा गांधी ने गुलामी की जंजीरों को तोड़कर माँ भारती को आजाद कराया।

अब हमारा कर्तव्य है कि गंदगी को दूर करके भारत माता की सेवा करें। मैं शपथ लेता हूँ कि मैं स्वयं स्वच्छता के प्रति सजग रहूँगा और उसके लिए समय दूँगा।

हर वर्ष 100 घंटे यानी हर सप्ताह 2 घंटे श्रमदान करके स्वच्छता के इस संकल्प को चरितार्थ करूँगा।

मैं न गंदगी करूँगा न किसी और को करने दूँगा।

सबसे पहले मैं स्वयं से, मेरे परिवार से, मेरे मुहल्ले से, मेरे गांव से एवं मेरे कार्यस्थल से शुरूआत करूँगा।

मैं यह मानता हूँ कि दुनिया के जो भी देश स्वच्छ दिखते हैं उसका कारण यह है कि वहाँ के नागरिक गंदगी नहीं करते और न ही होने देते हैं।

इस विचार के साथ मैं गांव-गांव और गली-गली स्वच्छ भारत मिशन का प्रचार करूँगा।

मैं आज जो शपथ ले रहा हूँ, वह अन्य 100 व्यक्तियों से भी करवाऊँगा।

वे भी मेरी तरह स्वच्छता के लिए 100 घंटे दें, इसके लिए प्रयास करूँगा।

मुझे मालूम है कि स्वच्छता की तरफ बढ़ाया गया मेरा एक कदम पूरे भारत देश को स्वच्छ बनाने में मदद करेगा।